This question paper contains **3** printed pages]

AH—494—2019

FACULTY OF ARTS

B.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2019

HINDI (Opt.)

Paper VI

(निबंध तथा कथेतर गद्य)

(MCQ + Theory)

(Tuesday, 16-4-2019) **Time : 2.00 p.m. to 4.00 p.m.**

Time—2 *Hours* *Maximum Marks*—10+30=40

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** बहुपर्यायी प्रश्न (MCQs) अनिवार्य हैं।

(*iii*) दीर्घोत्तरी (Theory) प्रश्नों के आगे अंक दिए गये हैं।

MCQ

1. निम्नलिखित बहुपर्यायी प्रश्नों (MCQs) के उत्तर दीजिए। 10

(*i*) ''यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी है।'' यह कथन किस साहित्यकार का है ?

(A) डॉ. श्याम सुंदरदास (B) डॉ. गुलाबराय

(C) नगेंद्र (D) आ. रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) 'ना हम काहू के कोऊ न हमारा' यह उक्ति किस रचना की है ?

(A) मन की दृढ़ता (B) धोखा

(C) आँगन का पंछी (D) डॉ. बरसाने लाल चतुर्वेदी

(*iii*) बालकृष्ण भट्ट का जन्म कब हुआ ?

(A) 1844 (B) 1944

(C) 1855 (D) 1840

P.T.O.

(*iv*) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' यह किसकी रचना है ?

(A) वासुदेवशरण अग्रवाल (B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) पं. विद्यानिवास मिश्र (D) आ. रामचंद्र शुक्ल

(*v*) 'करुणा' निबंध के निबंधकार कौन हैं ?

(A) आचार्य रामचंद्र शुक्ल (B) प्रतापनारायण मिश्र

(C) विद्यानिवास मिश्र (D) बालकृष्ण भट्ट

(*vi*) मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का ..... अंग है।

(A) पहला (B) दूसरा

(C) तीसरा (D) इनमें से कोई नहीं

(*vii*) 'डॉ. बरसाने लाल चतुर्वेदी' यह रेखाचित्र गोपाल प्रसाद मुद्गल के ..... संग्रह से लिया गया है।

(A) समय का आईना (B) कंचन करत खरौ

(C) स्मृतियों के झरोखे (D) वक्त की आवाज

(*viii*) डॉ. एन. सिंह के ..... रचना के लिए म.प्र. दलित साहित्य अकादमी का पुरस्कार मिला।

(A) व्यक्ति और विमर्श (B) दर्द का दस्तावेज

(C) काले हाशिए पर (D) मेरा दलित चिंतन

(*ix*) बालकृष्ण भट्ट जी ने अपने जीवन में कितने निबंध लिखे ?

(A) 700 (B) 800

(C) 900 (D) 1000

(*x*) डॉ. बरसाने लाल चतुर्वेदी किस विधा की रचना है ?

(A) संस्मरण (B) जीवनी

(C) रेखाचित्र (D) आत्मकथा

Theory

2. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 5

''गदहा पीट घोड़ा नहीं हो सकता। जिनमें किसी गुण का लेश नहीं है वे किसी तरह गुणशाली न हो सकेंगे, लोगों के इस कथन को हम किस-किस अंश में सत्य मानते हैं।''

अथवा

''यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करे तो उसका कोई कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में न आएगा। उसके सब कर्म निर्लिप्त होंगे। संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश दु:ख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है।''

3. 'आँगन का पंछी' निबंध में लेखक ने प्रकृति और मनुष्य के सहज संबंध को स्पष्ट किया है। चर्चा कीजिए। 10

अथवा

'राष्ट्र का स्वरूप' निबंध के आधार पर 'भूमि', 'जन' और 'संस्कृति' का महत्व विशद कीजिए।

4. 'हिन्दी साहित्य का बासीपन दूर कर रहा है दलित साहित्य' इस साक्षात्कार की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'धोखा' निबंध के आशय को स्पष्ट कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए : 5

निबंध का अर्थ, परिभाषा

अथवा

निबंध के तत्व।

89E5630FA27A9C96C1696EF2AE367DCE